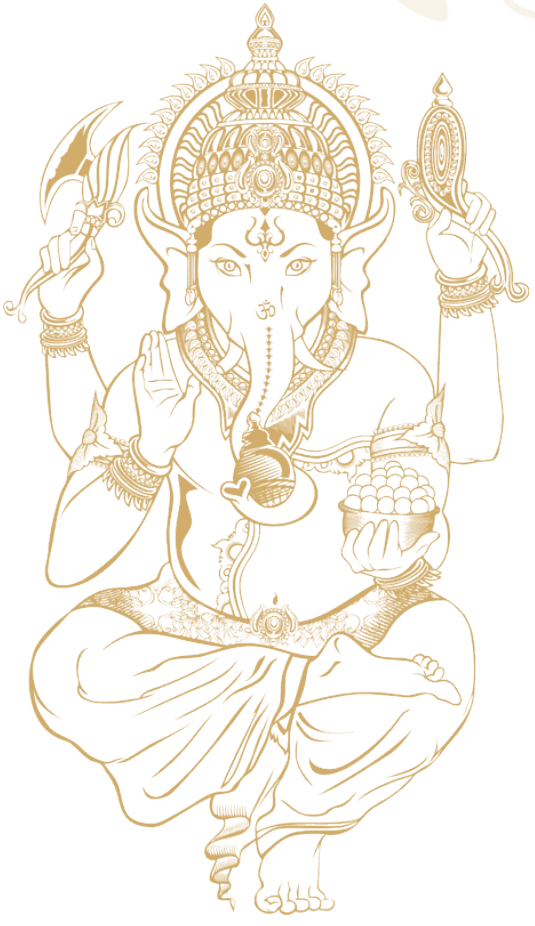

Sajal Varshney

Vinki Varshney

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121753702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
03/07/1998 :	जन्म तिथि	: 13/11/2000
शुक्रवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 21:00:00 :	जन्म समय	: 21:30:00 घंटे
घटी 39:06:10 :	जन्म समय(घटी)	: 37:17:03 घटी
India :	देश	: India
Bisauli :	स्थान	: Islamnagar
28:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:19:00 उत्तर
78:55:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:15:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:21:32 :	सूर्योदय	: 06:36:04
19:15:15 :	सूर्यास्त	: 17:22:54
23:50:03 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:51

विंशोत्तरी राहु 16वर्ष 2मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 4मा 28दि
गुरु 03/09/2014 03/09/2030	16:45:50	मक	लग्न	मिथु	28:26:05	राहु 12/04/2009 13/04/2027
	17:40:15	मिथु	सूर्य	तुला	27:43:04	
	08:01:23	तुला	चंद्र	वृष	21:27:11	
	04:18:58	मिथु	मंगल	कन्या	12:01:37	
गुरु 21/10/2016	10:20:13	कर्क	बुध	तुला	08:38:03	राहु 24/12/2011
शनि 05/05/2019	03:53:22	मीन	गुरु व	वृष	14:12:22	गुरु 19/05/2014
बुध 09/08/2021	17:00:52	वृष	शुक्र	धनु	06:49:25	शनि 25/03/2017
केतु 16/07/2022	08:14:00	मेष	शनि व	वृष	04:06:10	बुध 12/10/2019
शुक्र 16/03/2025	09:02:49	सिंह व	राहु व	मिथु	22:59:07	केतु 30/10/2020
सूर्य 03/01/2026	09:02:49	कुंभ व	केतु व	धनु	22:59:07	शुक्र 31/10/2023
चन्द्र 05/05/2027	18:04:44	मक व	हर्ष	मक	23:10:11	सूर्य 23/09/2024
मंगल 09/04/2028	07:28:16	मक व	नेप	मक	10:09:46	चन्द्र 25/03/2026
राहु 03/09/2030	11:56:47	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:04:28	मंगल 13/04/2027

लग्न-चलित

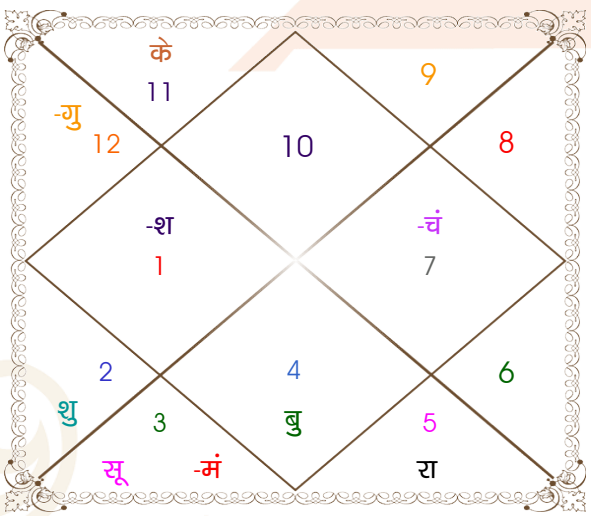

लग्न-चलित

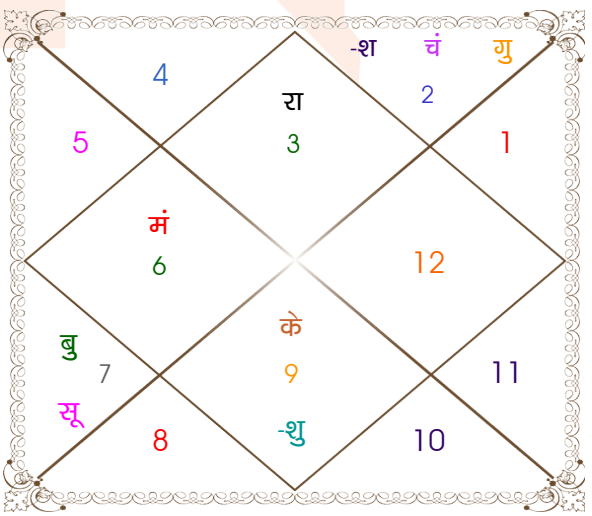

एमए, बीएड ज्योतिषाचार्य राहुल भारद्वाज
डीएम आवास बहजोई-संभल
8864844441
rahulpandit88688@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि टपदाप टंतीदमल का नक्षत्र रोहिणी है।

ैंरंस टंतीदमल का वर्ग मृग है तथा टपदाप टंतीदमल का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैंरंस टंतीदमल और टपदाप टंतीदमल का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैंरंस टंतीदमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

टपदाप टंतीदमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ैंरंस टंतीदमल कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

एमए, बीएड ज्योतिषाचार्य राहुल भारद्वाज
डीएम आवास बहजोई-संभल
8864844441
rahulpandit88688@gmail.com

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ँरंस टंतीदमल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ँरंस टंतीदमल तथा टपदाप टंतीदमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

एमए, बीएड ज्योतिषाचार्य राहुल भारद्वाज
डीएम आवास बहजोई-संभल
8864844441
rahulpandit88688@gmail.com